दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 26-02-2026

चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी में टीबी रोग उन्मूलन प्रशिक्षण कार्यक्रम

टीबी मुख्यत: फेफड़ों को करती है प्रभावित, इसका समय पर उपचार जरूरी: डॉ. कोमल

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएसयू में राष्ट्रीय टीबी रोग उन्मूलन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलगुरु रामपाल सैनी के मार्गदर्शन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को टीबी के प्रति जागरूक करना और उन्हें समाज में स्वास्थ्य जागरूकता के संदेशवाहक के रूप में तैयार करना था। कार्यक्रम में माई भारत वॉलंटियर्स के साथ-साथ मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने भी सक्रिय सहभागिता की।

इस अवसर पर डॉ. कोमल एवं डॉ. संदीप गोयत ओर डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर ने बताया कि टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक जीवाणु के कारण होती है और मुख्यत: फेफड़ों को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि यदि समय पर जांच और उपचार न किया जाए तो यह गंभीर रूप ले सकती है, लेकिन सही जानकारी और नियमित इलाज से यह पूरी तरह ठीक हो सकती है।

जींद. टीबी के बारे में जानकारी देते प्रशिक्षक।

विशेषज्ञों ने बताया कि विश्व स्तर पर टीबी अभी भी एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। भारत सरकार ने टीबी उन्मूलन के लिए वर्ष 2025 तक का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस दिशा में एनटीईपी के माध्यम से देशभर में निःशुल्क जांच, दवा एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। कार्यक्रम के दौरान टीबी के प्रमुख लक्षणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजेश कुमार बंसल, डॉ. अमित कुमार (सिस्टम एनालिस्ट), डॉ. कोमल, डॉ. संदीप गोयत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी
THU,26 FEBRUARY 2026
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 3

राष्ट्रीय टी.बी. रोग उन्मूलन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जींद, 25 फरवरी (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी के मार्गदर्शन में यूनिवर्सिटी कंप्यूटर इन्फॉर्मेटिक्स सैंटर द्वारा माई भारत वॉलंटियर्स के लिए राष्ट्रीय टी.बी. रोग उन्मूलन विषय पर एक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम डॉ. अमित कुमार, सिस्टम एनालिस्ट, के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को टी.बी. (ट्यूबरक्लोसिस) के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें समाज में स्वास्थ्य जागरूकता के संदेशवाहक के रूप में तैयार करना था। कार्यक्रम में माई भारत वॉलंटियर्स के साथ-साथ मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने भी सक्रिय सहभागिता की। इस अवसर पर डॉ. कोमल एवं डॉ. संदीप गोयत, डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम को-ऑर्डीनेटर, जींद ने बताया कि

प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए वक्ता।

ट्यूबरक्लोसिस (टी.बी.) एक संक्रामक बीमारी है, जो माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्यूलोसिस नामक जीवाणु के कारण होती है और मुख्यत: फेफड़ों को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि यदि समय पर जांच और उपचार न किया जाए तो यह गंभीर रूप ले सकती है, लेकिन सही जानकारी और नियमित इलाज से यह पूरी तरह ठीक हो सकती है।

विशेषज्ञों ने बताया कि विश्व स्तर पर टी.बी. अभी भी एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। भारत सरकार ने टी.बी. उन्मूलन के लिए वर्ष 2025 तक का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस दिशा में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के माध्यम से देशभर में नि:शुल्क जांच, दवा एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। कार्यक्रम दौरान टी.बी. के प्रमुख लक्षणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, जिनमें दो सप्ताह से अधिक समय तक लगातार खांसी, बुखार, रात में पसीना आना, वजन कम होना तथा अत्यधिक कमजोरी शामिल हैं।

विशेषज्ञों ने सलाह दी कि ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच करानी चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि टी.बी. का इलाज संभव है और यह पूर्णत: ठीक हो सकती है, बशर्ते मरीज नियमित रूप से पूरा उपचार ले और दवाओं का सेवन बीच में न छोड़ें।

वक्ताओं ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि टी.बी. से जुड़े मिथकों और सामाजिक भेदभाव को समाप्त करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

अमर उजाला

Date-26.02.2026

युवाओं को टीबी के खिलाफ जागरूक किया

माई भारत वॉलंटियर्स के लिए टीबी उन्मूलन प्रशिक्षण में मौजूद विद्यार्थी। स्रोत : विवि

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में बुधवार को कंप्यूटर इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर की तरफ से माई भारत वॉलंटियर्स के लिए राष्ट्रीय टीबी रोग उन्मूलन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम डॉ. अमित कुमार, सिस्टम एनालिस्ट, के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इसका उद्देश्य युवाओं को टीबी के खिलाफ जागरूक करना करना था। कार्यक्रम में माई भारत वॉलंटियर्स के साथ-साथ मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने भी सक्रिय सहभागिता की। डॉ. कोमल एवं डॉ. संदीप गोयत, दस्तावेज कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर ने बताया कि टीबी एक संक्रामक बीमारी है जो माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्लोसिस नामक जीवाणु के कारण होती है और फेफड़ों को प्रभावित करती है। संवाद

दैनिक जागरण

Date-26.02.2026

सीआरएसयू में टीबी रोग उन्मूलन के लिए हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम

टीबी के बारे में जानकारी देते जिला संयोजक। ● सौ. सीआरएसयू

जासं ● जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी कंप्यूटर इन्फार्मेटिक्स द्वारा माई भारत वालिंटियर्स के लिए राष्ट्रीय टीबी रोग उन्मूलन विषय पर एक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सिस्टम एनालिस्ट डा. अमित कुमार के नेतृत्व में हुआ। जिला परियोजना संयोजक डा. कोमल एवं डा. संदीप गोयत ने बताया कि टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्यूलोसिस नामक जीवाणु के कारण होती है और फेफड़ों को प्रभावित करती है। यदि समय पर जांच और उपचार न किया जाए तो यह गंभीर रूप ले सकती है, लेकिन सही जानकारी और नियमित इलाज से यह पूरी तरह ठीक हो सकती है। इस दौरान टीबी के प्रमुख लक्षणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, जिनमें दो सप्ताह से अधिक समय तक लगातार खांसी, बुखार, रात में पसीना आना, वजन कम होना तथा अत्यधिक कमजोरी शामिल हैं। सभी ने मिलकर टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने का आह्वान किया। इस मौके पर कुलसचिव डा. राजेश कुमार बंसल भी मौजूद रहे।